भूमिका

फुलवारी शरीफ और मनेर दोनों ही पटना जिला के महत्वपूर्ण प्रखण्ड हैं। फुलवारी शरीफ और मनेर दोनों ब्लॉक की आबादी दो लाख से ज्यादा है। पहली बार वर्ष 2013 में जनसंवाद का आयोजन किया गया। जिसमें जनता एवं सेवा प्रदाता के बीच संवाद स्थापित हुआ। जनता की मांग पर सेवा प्रदाता ने अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास किया। सेवा सुधार हेतु दूसरी बार जनसंवाद का आयोजन मनेर और फुलवारी में पुनः किया गया।

चार्म का काम महिलाओं और 0 से 5 साल तक के बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर है। फुलवारी शरीफ के पाँच पंचायत में 4200 घरों के 25000 की मुस्लिम आबादी के साथ चार्म पिछले दो साल से काम कर रहा है जबकि मनेर में 3900 दलित घरों के 23400 की आबादी के साथ काम कर रहा है। पिछले दो साल में काम के दौरान 'चार्म' की टीम ने पाया कि अधिकांशतः लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में सही जानकारी नहीं है। सरकारी अस्पतालों को लेकर उनके मन में निराशा की भावना है, इसलिए जो परिवार जरा भी सक्षम होता है वह निजी अस्पताल में इलाज कराने लगता है। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान अच्छा खासा खर्च होता है। लोगों ने बताया कि इलाज के लिए अक्सर उन्हें महाजन से कर्ज भी लेना पड़ता है।

फुलवारी एवं मनेर में जनसंख्या के हिसाब से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर संसाधन की कमी है। दवाओं की कमी बराबर बनी रहती है। लोगों को अक्सर बाहर से दवा खरीदनी पड़ती है। सेवा प्रदाताओं की भी कई समस्याएँ सामने आई। क्षेत्र में लगातार काम करने के दौरान लगा कि जनसंवाद एक अच्छा माध्यम हो सकता है जहाँ जनता अपनी समस्याएँ सरकारी सेवा प्रदाता के सामने रखे। साथ ही सेवा प्रदाता भी अपनी बातों को जनता के सामने रखे। पूरे सरकारी तंत्र को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है इस पर लगातार काम करने की जरूरत है। जनप्रतिनिधियों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। अब ये जरूरी है कि जनता आगे बढ़कर हिस्सा लें, पूरी व्यवस्था को ठीक करने के लिए जनसंवाद एक बेहतर माध्यम हो सकता है। पिछले जनसंवाद के बाद फुलवारी पी.एच.सी एवं मनेर पी.एच.सी में कुछ गुणात्मक सुधार हुआ है। फुलवारी पी.एच.सी जाने का रास्ता वर्षो से खराब था अब वो रास्ता बन गया है। पी.एच.सी में सफाई की स्थिति ठीक हुई है। लोगों की शिकायत अब सुनी जा रही है। मनेर पी.एच.सी में पिछले जनसंवाद के बाद दवा की उपलब्धता रहती है। डॉक्टर पहले से ज्यादा नियमित हुए हैं। और मरीजों को बेहतर तरीके से देखा जा रहा है।

मनेर और फुलवारी शरीफ में क्रमशः 13.03.2014 और 15.03.2014 को जनसंवाद का आयोजन किया गया। ये जनसंवाद का आयोजन फुलवारी शरीफ और मनेर की जनता, जनप्रतिनिधियों, खातून मजलिस, दोशीज़ा मजलिस, नारी सभा और किशोरी मंडल के सदस्यों ने मिलकर किया । इस जनसंवाद को 'ऑक्सफेम इंडिया की मदद से चार्म की देख-रेख में आयोजित किया गया।

आभार

हम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मनेर एवं फुलवारी शरीफ के सेवाप्रदाता, जनप्रतिनिधि, खातून मजलिस, नारी सभा, दोशीज़ा मजलिस और किशोरी मंडल के सदस्यों तथा आम जनता के प्रति आभार प्रकट करते हैं, जिन्होंने जनसंवाद को सफल बनाने में मदद की। हम फुलवारी शरीफ हाई स्कूल के प्रबंधन के प्रति भी आभारी हैं जिनकी वजह से स्कूल का मैदान हमें आसानी से मिल गया। हम मनेर के 'हिमालया इंटरनेशनल स्कूल' के प्रबंधन के प्रति भी आभारी हैं। जिन्होंने जनसंवाद के लिए अपने स्कूल का मैदान उपलब्ध कराया।

हम जूरी के सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं जिनकी मौजूदगी ने जनसंवाद को बल दिया।

सहयोग के लिए हम **'ऑक्सफेम इंडिया'** के आभारी हैं।

डॉ० शकील

कार्यपालक निर्देशक

सेन्टर फॉर हेल्थ एण्ड रिसोर्स मैनेजमेंट (चार्म)

उद्देश्य

इस जनसंवाद का मुख्य उद्देश्य है जनता को पंचायत स्तर पर हर संभव स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो। जनसंवाद सेवा प्रदाता एवं जनता के बीच एक माध्यम है जिससे जनता अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो एवं सेवा प्रदाता बेहतर सेवा दे सके।

जनसंवाद फुलवारी शरीफ

स्थान- फुलवारी शरीफ इंटर हाई स्कूल

आयोजक- सेन्टर फॉर हेल्थ एण्ड रिर्सोस मैनेजमेंट (चार्म)

प्रायोजक- ऑक्सफेम इंडिया

फुलवारी शरीफ पटना जिला का एक महत्वपूर्ण प्रखण्ड है। इसकी जनसंख्या 2 लाख से अधिक है। फुलवारी शरीफ प्रखण्ड में 14 पंचायत है एवं एक बहुत बड़ा क्षेत्र नगर परिषद् के अंतर्गत आता है। फुलवारी शरीफ में मुसलमानों की घनी आबादी है। चार्म पिछले 2 सालों से फुलवारी के पाँच पंचायत में (4200 घरों) में काम कर रहा है।

चार्म (सेन्टर फॉर हेल्थ एण्ड रिसोर्स मैनेजमेंट) का काम मुस्लिम महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार लाना है। 15 मार्च को फुलवारी शरीफ में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर दूसरी बार जनसंवाद का आयोजन किया गया । इस जनसंवाद की तैयारी जनवरी के पहले सप्ताह में शुरू की गई। जन संवाद की तैयारी समुदाय के साथ मिलकर कई चरणों में किया गया।

पहला चरण - पाँचों पंचायतों में फेडरेशन के सदस्यों की बैठक की गई और इस बैठक में जनसंवाद की तैयारी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई । बैठक में फेडरेशन की सचिव 'मटोरन खातून' ने कहा कि पिछले जनसंवाद के बाद पी.एच.सी. की स्थिति में थोड़ी सुधार आई है, लेकिन इस स्थिति को लगातार बनाए रखने के लिए हर साल जनसंवाद की आवश्यकता है। उन्होंने फेडरेशन के सदस्यों से आग्रह किया कि जनसंवाद को सफल बनाने के लिए आगे आयें और अपना समय दें। फेडरेशन की सदस्यों ने मिलकर 5 कमिटी का गठन किया । ये कमिटी चार्म के सदस्यों की मदद करेगी। इस कमिटी में दोशिजा मजलिस की लड़कियों को भी शामिल किया गया।

दूसरा चरण - जनसंवाद के पहले 8 तरह के फॉरमेट पर खातून मजलिस एवं दोशिजा मजलिस के सदस्यों को चार्म की कार्यकर्त्ता प्रखण्ड समन्वयक सुश्री मोना के द्वारा ट्रेनिंग दी गई -

1. समूह चर्चा महिलाओं के साथ
2. समूह चर्चा महिलाओं एवं पुरुषों के साथ
3. आशा के साथ साक्षात्कार
4. स्वास्थ्य उपकेन्द्र का अवलोकन
5. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का अवलोकन
6. प्रभारी पी.एच.सी का साक्षात्कार एवं पी.एच.सी का अवलोकन
7. 0-6 माह के बच्चों के माताओं के साथ साक्षात्कार
8. पी.एच.सी. से दिखाकर निकलने वाले मरीज़ो का साक्षात्कार

तीसरा चरण - आठों फॉरमेट को भरने के लिए पाँचों पंचायत की खातून एवं दोशिजा का समूह बनाया गया। हर समूह को अलग-अलग फॉरमेट भरने की जिम्मेदारी दी गई। हर समूह के साथ चार्म की कार्यकर्त्ता सुश्री मोना, सुश्री

अंजुम एवं सुश्री शकीला बानो बारी-बारी से रहती थी।

चौथा चरण - महिलाओं के साथ समूह चर्चा एवं महिलाओं और पुरुषों के साथ समूह चर्चा पाँचों (सोरमपुर, नौसा, भुसौला, गौनपुरा एवं ईसोपुर) पंचायत में की गई । कुल 20 समूह चर्चा किया गया।

- पी.एच.सी. से दिखाकर बाहर आने वाले 45 मरीजों का साक्षात्कार लिया गया।
- स्वास्थ्य प्रबंधक एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी का एक-एक साक्षात्कार लिया गया।
- पाँच पंचायत के अंतर्गत आने वाले दो एच.एस.सी. एवं एक ए.पी.एच.सी. की ए.एन.एम से साक्षात्कार लिया गया।
- 0 से 6 माह तक के माँओं के साथ बातचीत के आधार पर आठ-आठ फॉरमेट भरा गया।

इन सारे फॉरमेट को (नौशीन, शबनम, शमा खातून, मटोरन खातून, शहनाज खातून, निखत आरा, निदा, अंजुम खातून, शकीला बानो एवं मोना) ने भरा।

इन सारे फॉरमेट को भरने में लगभग एक माह का समय लगा। इस दौरान प्रोजेक्ट कॉडिनेटर श्री जकी अनवर जनसंवाद की तारीख के लिए लगातार प्रयास करते रहे। सिविल सर्जन पटना के द्वारा जनसंवाद की तारीख 13 मार्च, 2014 को मनेर में और 15 मार्च, 2014 को फुलवारी में दी गई। सिविल सर्जन ऑफिस से 25 जनवरी, 2014 को फुलवारी शरीफ पी.एच.सी. एवं मनेर पी.एच.सी. के प्राभारी चिकित्सा पदाधिकारी के नाम से पत्र भेज दिया गया। और उसकी एक प्रति श्री जकी अनवर प्रोजेक्ट कॉडिनेटर को दे दी गई।

पाँचवा चरण - फॉरमेट भरने के बाद समुदाय की मदद से रिपोर्ट कार्ड तैयार किया गया और उसपर चर्चा की गई।

जन संवाद के पहले पाँचों पंचायत की जनता के बीच कई छोटी एवं बड़ी मिटिंग की गई। घर-घर जाकर जनसंवाद के बारे में लोगों को बताया गया ताकि बड़ी संख्या में लोग जनसंवाद में आए और खुलकर अपनी बातों को रखें। लोगों में इस जन संवाद को लेकर काफी उत्साह था।

एजेंडा

1. स्वागत
2. रिपोर्टकार्ड पर चर्चा, पंचायत स्तरीय फेसिलिटी, रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुतिकरण
3. केस स्टडी (टेस्टीमोनी)
4. खुला सत्र
5. धन्यवाद ज्ञापन

निर्णायक मंडल के सदस्यों का नाम-

1. श्रीमति निवेदिता (पत्रकार)
2. श्री रूपेश कुमार (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
3. श्री मौलाना इम्तियाज (इमारत शरीया)

जनसंवाद का आयोजन फुलवारी शरीफ हाईस्कूल के खुले मैदान में किया गया। बड़ा सा शामियाना लगा था। बैठने के लिए कुर्सी और दरी की व्यवस्था थी। 11.30 बजे से विभिन्न पंचायत के लोग आने लगे इसमें महिलाओं

की संख्या काफी थी । महिलाओं ने खुलकर हिस्सा लिया।

फुलवारी पी.एच.सी से एम.ओ.आई.सी डॉ. बी.पी.सिंह एवं डॉ. महेश चौधरी आए थे। जन प्रतिनिधि फरजाना खातून, छोटन भाई, श्री कौसर खान एवं डा. नसर मौजूद थे। जनसंवाद की शुरूआत गीत से किया गया। श्री गोविंद ने गीत गाकर लोगों में उत्साह भर दिया। महिलाएँ भी उनके साथ-साथ गाने लगीं, वे अपनी आवाज बुलंद कर रही थी। अपने हक की लड़ाई की गीत गा रही थी। गीत के बाद फेडेरेशन की सदस्य मटोरन खातून ने जूरी के सदस्यों का स्वागत किया और पिछले जनसंवाद के बाद क्या-क्या बदलाव आया है उसके बारे में बताया। कार्यक्रम की शुरूआत कर दी गई, परन्तु प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी काफी देर से आए । ब्लॉक कॉडिनेटर सुश्री मोना ने आगे की कार्यवाही को बढ़ाते हुए सभी जूरी को मंच पर आमंत्रित किया और समुदाय द्वारा बनायी गई रिपोर्ट कार्ड को जनता के सामने प्रस्तुत किया गया। रिपोर्ट कार्ड में दस इंडिकेटर के माध्यम से पाँचो पंचायत के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में बताया गया।

इंडिकेटर

1. रोग निगरानी
2. बाह्य कार्यकर्त्ता उपचार योग्य सेवा
3. मुक्त राशि

इन तीनों इंडिकेटर की जानकारी 'महिला पुरुष के साथ समूह चर्चा' के द्वारा निकाला गया।

4. आशा का साक्षात्कार :- आशा के साथ बातचीत के आधार पर निकाला गया।
5. देखभाल की गुणवक्ता
6. आशा के प्रति महिला एवं समुदाय की धारणा
7. बच्चे का स्वास्थ्य

इन तीनों इंडिकेटर की जानकारी 'महिलाओं के साथ समूह चर्चा के द्वारा निकाला गया।

8. मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी
9. जननी सुरक्षा योजना
10. प्रतिकूल परिणाम

इन तीनों इंडिकेटर की जानकारी 0-6 माह के बच्चे की माँ के साथ साक्षात्कार के द्वारा निकाला गया।

मोना ने बताया कि एन.आर.एच.एम का क्या उद्देश्य है और वो किन बिन्दुओं पर काम करती है। रिपोर्ट कार्ड में स्थितियों को लाल, पीला एवं हरे रंगों द्वारा दर्शाया गया है।

लाल	0-49%
पीला	50-74%
हरा	75-100%

इसी आधार पर रिपोर्ट कार्ड में रंगों का निशान लगाया गया है।

पंचायत - गौनपुरा			
	लाल	पीला	हरा
1. रोग निगरानी	लाल		
2. बाह्य कार्यकर्त्ता	लाल		
3. मुक्त राशि	लाल		
4. मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी	लाल		
5. जननी सुरक्षा योजना		पीला	
6. प्रतिकूल परिणाम	लाल		
7. देखभाल की गुणवक्ता		पीला	
8. आशा की भूमिका			हरा
9. बच्चों का स्वास्थ्य	लाल		
10. आशा के प्रति समुदाय	लाल		

पंचायत - भुसौला दानापुर			
	लाल	पीला	हरा
1. रोग निगरानी	लाल		
2. बाह्य कार्यकर्त्ता	लाल		
3. मुक्त राशि	लाल		
4. मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी	लाल		
5. जननी सुरक्षा योजना		पीला	
6. प्रतिकूल परिणाम	लाल		
7. देखभाल की गुणवक्ता		पीला	
8. आशा की भूमिका		पीला	
9. बच्चों का स्वास्थ्य	लाल		
10. आशा के प्रति समुदाय		पीला	

पंचायत - नौहसा			
	लाल	पीला	हरा
1. रोग निगरानी	लाल		
2. बाह्य कार्यकर्त्ता	लाल		
3. मुक्त राशि	लाल		
4. मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी	लाल		
5. जननी सुरक्षा योजना		पीला	
6. प्रतिकूल परिणाम		पीला	
7. देखभाल की गुणवक्ता		पीला	
8. आशा की भूमिका			हरा
9. बच्चों का स्वास्थ्य		पीला	
10. आशा के प्रति समुदाय		पीला	

पंचायत - सोरमपुर			
	लाल	पीला	हरा
1. रोग निगरानी	लाल		
2. बाह्य कार्यकर्त्ता	लाल		
3. मुक्त राशि	लाल		
4. मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी	लाल		
5. जननी सुरक्षा योजना	लाल		
6. प्रतिकूल परिणाम			हरा
7. देखभाल की गुणवक्ता	लाल		
8. आशा की भूमिका		पीला	
9. बच्चों का स्वास्थ्य		पीला	
10. आशा के प्रति समुदाय	लाल		

पंचायत - ईसोपुर				
		लाल	पीला	हरा
1.	रोग निगरानी	लाल		
2.	बाह्य कार्यकर्त्ता	–	–	–
3.	मुक्त राशि	–	–	–
4.	मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी	लाल		
5.	जननी सुरक्षा योजना		पीला	
6.	प्रतिकूल परिणाम			हरा
7.	देखभाल की गुणवक्ता	लाल		
8.	आशा की भूमिका	–	–	–
9.	बच्चों का स्वास्थ्य		पीला	
10.	आशा के प्रति समुदाय	–	–	–

रोग निगरानी– बाह्य कार्यकर्त्ता उपचार योग सेवा और मुक्त राशि इन तीनों इंडीकेटरों की जानकारी महिला–पुरुष के साथ समूह चर्चा द्वारा प्राप्त हुआ । पाँचों पंचायत में जब तीनों सवाल किया गया तो महिला और पुरुषों ने बताया कि मुक्त राशि के बारे में उनको पता भी नहीं है और कोई काम दिख भी नहीं रहा है। रोग निगरानी एवं बाह्य कार्यकर्त्ता उपचारयोग सेवा के बारे में सभी ने कहा कि स्थिति बहुत ही खराब है।

मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी, जननी सुरक्षा योजना एवं प्रतिकूल परिणाम की जानकारी पाँचों पंचायत में वैसी महिलाओं से लिया गया जिनके पास 0–6 माह का बच्चा था। पाँचों पंचायत में मातृत्व स्वास्थ्य की स्थिति बहुत की खराब है। जननी सुरक्षा की स्थिति चार पंचायत में ठीक–ठाक है। सभी महिलाओं को सरकारी अस्पताल से 1400 रू0 प्राप्त हुआ लेकिन बच्चा पैदा होने की प्रक्रिया में अस्पताल के कर्मचारियों / अधिकारियों के द्वारा 800/–रू. 900/–रू. तक महिला से खर्च कराया गया। खर्च, दवा, सफाई एवं खुशनामा के रूप में कराया गया है। सोरमपुर पंचायत में जितनी महिलाओं से बातचीत की गई उन सभी को घर में बच्चा पैदा हुआ था। सरकार द्वारा घर पर बच्चा होने पर 500/–रू0 देने का प्रावधान है, वो उनको प्राप्त नहीं हुआ। प्रतिकूल परिणाम की स्थिति ठीक है। दो पंचायत में (सोरमपुर एवं इसोपुर) काफी अच्छी स्थिति है। एक पंचायत (नौहसा) में ठीक–ठाक है। और दो पांचायत में (भुसौला और गौनपुरा) स्थिति खराब है।

ईसोपुर चुंकि नगर परिषद् के अंतर्गत आता है। इसलिए वहाँ मुक्त राशि नहीं है। और न ही आशा है। इसलिए इन जगहों को खाली छोड़ दिया गया है।

स्वास्थ्य उपकेन्द्र की क्युमलिटीव रिपोर्ट (फुलवारी शरीफ)

स्वास्थ्य उपकेन्द्र का नाम - भुसौला दानापुर, गौनपुरा एवं सोरमपुर ए.पी.एच.सी.

प्रखण्ड का नाम - फुलवारी शरीफ (पटना)

क्र.सं.		लाल	पीला	हरा
1.	संरचना एवं कर्मियों की उपलब्धता		पीला	
2.	उपकरण एवं औजार की उपलब्धता	लाल		
3.	सेवा उपलब्धता	लाल		
4.	दवा की उपलब्धता	लाल		
5.	फर्नीचर एवं अन्य समान	लाल		

एच.एस.सी. का जब हमलोगों ने अवलोकन किया तो पाया कि संरचना एंव कर्मियों की उपलब्धता में भुसौला एवं सोरमपुर के भवन की हालत बहुत ही खराब है, दरवाजा, खिड़की टूटा हुआ है। शौचालय एवं बिजली की व्यवस्था नहीं है। सिर्फ गौनपुरा एच.एस.सी. में शौचालय की व्यवस्था है और वह चालू अवस्था में है। भूसौला में शौचालय तो है लेकिन वा टूटा-फूटा है और चालू अवस्था में नहीं है। सोरमपुर में भी शौचालय की व्यवस्था नहीं है।

कर्मियों की उपलब्धता में सोरमपुर में दो ए.एन.एम. के अलावा सफाई कर्मी एवं सहायक की व्यवस्था है। भूसौला एवं गौनपुरा में सिफ दो ए.एन.एम. है। इसलिए यहाँ पीला दिया गया है।

उपकरण एवं औजार की उपलब्धता में तीनों एच.एस.सी. की हालत एक जैसी है। एच.एस.सी. एवं ए.पी.एच.सी. में औजार नहीं के बराबर है। इसलिए यहाँ लाल है।

सेवा उपलब्धता में दोनों एच.एस.सी. में सिर्फ टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं को सलाह दी जाती है। सोरमपुर ए.पी.एच.सी. में ब्लडप्रेशर मशीन है जिसकी वजह से वहाँ कभी कभार जाँच किया जाता है। दवा की उपलब्धता तीनो जगह नहीं के बराबर है।

एच.एस.सी. एवं ए.पी.एच.सी. में समानों की उपलब्ध सूची:

सब सेन्टर की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता -

सर्वे के दौरान हमारी टीम ने पाया कि तीनो एच.एस.सी. पर ए.एन.एम की नियुक्ति है, दूसरी ए.एन.एम महिला सब सेन्टर पर या करीब के गाँव में रहती है। एम.पी.डब्लू की नियुक्ति नहीं है। 3 सब सेन्टर स्वयं परिसर में है। तीनों सब सेन्टर पर पानी की उपलब्धता नहीं है। भुसौला एवं सोरमपुर (ए.पी.एच.सी.) के भवन की हालत बहुत ही खराब है। इन दोनों भवनों को काफी मरम्मत की जरूरत है। गौनपुरा एच.एस.सी. के भवन की हालत ठीक है।

सोरमपुर एवं भुसौला में शौचालय की व्यवस्था नहीं है। लेकिन गौनपुरा एच.एस.सी. में शौचालय की व्यवस्था है। बिजली की व्यवस्था तीनों एच.एस.सी. पर नहीं है। तीनों एच.एस.सी. की हालत कमोबेश एक ही तरह की है। भवन, साफ-सफाई एवं शौचालय में सिर्फ गौनपुरा की हालत ठीक है।

उपकरण की आपूर्तियां एवं उपलब्धता –

तीनों स्वा0 उप केन्द्र पर उपकरण की आपूर्ति एवं उपलब्धता की स्थिति एक समान है।फर्नीचर तथा अन्य आवश्यक सामान की सूची जो एच.एस.सी. पर उपलब्ध नहीं है –

1.	जाँच की मेज/आई.यू.सी.डी मेज फोम वाले गद्दे के साथ
2.	प्रसव टेबुल
3.	स्किन/पर्दा
4.	पंखा
5.	टयुबलाईट
6.	बेसिन स्टैन्ड
7.	शिशु के लिए वजन मशीन
8.	चालू हालत में स्टोव
9.	ढक्कन के साथ सॉसपेन
10.	डिस्पोजल सामान को फेंकने के लिए ढक्कन लगी बाल्टी
11.	ऐप्रन
12.	ब्लीचिंग पाउडर
13.	रूई का बंडल
14.	घड़ी/लैम्प
15.	यूरीन टेस्ट किट
16.	ड्रेसिंग
17.	डिलीवरी किट
18.	रबर/प्लास्टिक सीट 2 मीटर
19.	डिस्पोजल सामान को फेंकने के लिए बाल्टी हाइपोक्लोराईड के साथ
20.	पानी स्टोर करने के लिए ड्रम नल के साथ

आई.पी.एच.एस. मानक के आधार पर आवश्यक औजार की सूची जो एच.एस.सी. में उपलब्ध नहीं है –

तीनों स्वा0 उप केन्द्र की स्थिति समान है।	
1.	बेसिन 528 एम.एल स्टील 1
2.	गहरा बेसिन 6 लीटर की क्षमता वाली
3.	औजार का ट्रे ढक्कन के साथ 31, 195, 63 एम.एम 1
4.	बड़ा टॉर्च 4 बैटरी के साथ
5.	स्टील का ढक्कन के साथ ड्रेसिंग ड्रम 945 लीटर 1

6.	हीमोग्लोबीन मीटर 1
7.	टीशु फोरसिप 160 मी.मी 1
8.	स्ट्रलाइजर 1
9.	सीधी सर्जिकल कैची 140 मी.मी 1
10.	सीम्स यूट्रीन डीप्रेशर/प्रतिकर्षक 1
11.	मेजरिंग जग एक लीटर 1
12.	फीगमोमेनामीटर एन्डामीटर 300 मी.मी 1
13.	केलिस हेमोस्टेट फोरसिप 140 मी.मी 1
14.	सीम्स यौनिक वीक्षक दो सीटो वाला यूटराईन साउण्ड ग्रेपेटन 1
15.	आइस पैक बॉक्स 8 है,
16.	स्पंज को रखने वाला 5 न
17.	सादी फोरसेप 10
18.	सीधी सिलने वाली सूई 10
19.	थोड़ी घूमी हुयी सिलने वाली सुई 10
20.	किडनी ट्रे 4 छोटा 4 मलाश्य थर्मामीटर
21.	फीटोस्कोप 1
22.	ड्रेसिंग फोरसिप स्टील का 1 160 ली0
23.	आट्री फोरसेप सीधी स्केल 1
24.	अम्बू थैली, बेबी मास्क के साथ 1
25.	माप वाली टेप 1
26.	आई/वी स्टैड
27.	स्टेब्लाइजर बायलर
28.	बी पी मशीन
29.	ग्लब्स
30.	आर.सी.एच किट –ए
31.	आर.सी.एच किट–बी
32.	सब सेन्टर पर ए.एन.सी की सेवा
33.	सब सेन्टर पर प्रसव की सेवा
34.	प्रशिक्षित ए.एन.एम. प्रसव के लिए
35.	जटिल प्रसव के लिए रेफरल स्लिप
36.	ए.आर.आई. के उपचार की सुविधा

33.	ए.आर.आई के लिए रिफेरल सुविधा
34.	आई.यू.डी. लगाने की सुविधा

फर्नीचर तथा अन्य आवश्यक सामान की सूची जो एच.एस.सी. पर उपलब्ध है

1.	टेबुल–1
2.	कुर्सी –2
3.	प्रतीक्षा के लिए बेंच
4.	दवाओं का बक्सा
5.	टूल
6.	आई.यू.सी.डी. किट
7.	व्यस्क के लिए वजन मशीन
8.	मग–1
9.	बाल्टी –1
10.	किरोसीन स्टोव–1
11.	पानी का जग–1
12.	कुड़े की बाल्टी ढक्कन के साथ
13.	रजिस्टर / रिकार्ड
14.	हाथ धोने का साबुन एवं कपड़ा साफ करने का साबुन (सर्फ)
15.	तौलिया
16.	कॉपर टी
17.	कण्डोम
18.	टीका ले जानेवाला बक्सा
19.	आइस पैक बाक्स
20.	थर्मामीटर –1
21.	स्टेथोस्कोप–1
22.	हब कटर–1
23.	बी.पी. मशीन – 1
24.	ओ.आर.एस.
25.	पारासीटामोल
26.	आई.एफ.ए. की गोली

सेवा उपलब्धता	
27.	बच्चों के लिए नियमित टीकाकरण
28.	डायरिया के लिए ओर.आर.एस.
29.	परिवार नियोजन की गोलियाँ, कण्डोम तथा आई.यू.डी.
30.	कुपोषण की जानकारी ए.एन.एम द्वारा

पी.एच.सी. स्तरीय रिपोर्ट कार्ड - फुलवारी शरीफ				
		लाल	पीला	हरा
1.	संरचना			हरा
2.	कर्मियों की उपलब्धता			हरा
3.	दवा की उपलब्धता		पीला	
4.	सेवा की उपलब्धता		पीला	
5.	अनौपचारिक खर्च			हरा
6.	देखभाल की उपलब्धता			हरा
7.	रोगी कल्याण समिति के कार्यों का अवलोकन		पीला	
8.	उपकरण एवं फर्नीचर			हरा

इन सभी चीजों की जानकारी फुलवारी के एम.ओ.आई.सी. एवं स्वास्थ्य प्रबंधक द्वारा प्राप्त किया गया। रिपोर्ट सुनने के बाद ज्यूरी के सदस्यों ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी–

रूपेश कुमार – मैं पिछले जनसंवाद में भी ज्यूरी के तौर पर यहाँ था। इस बार भी रिर्पोट सुनने के बाद ये लग रहा है कि काफी ज्यादा सुधार की अभी भी जरूरत है। वैसे पिछली बार की रिपोर्ट में हर जगह सिर्फ लाल ही लाल था। लेकिन इस बार कहीं–कहीं पीला दिख रहा है। मुझे मालूम है कि फुलवारी शरीफ की जनता अपने अधिकारों को लेकर काफी सचेत हुई है। उन्होंने इस के लिए पी.एच.सी. में लड़ाई लड़ी है। पिछले बार के एम.ओ.आइ.सी. ने कहा था कि वो 100 प्रतिशत तक घुसखोरी बन्द कर देंगे। लेकिन ये नहीं हो सका। हम उम्मीद करते हैं कि इस बार एम. ओ.आई.सी जरूर बेहतर प्रयास करेंगे।

जनसंवाद जनता और सेवा प्रदाता के बीच एक पुल का काम करता है। जनसंवाद कराना सरकार की जिम्मेदारी है। ये जरूरी है कि हम अपने अधिकारों के प्रति सचेत हो जाए। हम उन्हीं को वोट दें जो स्वास्थ्य की स्थिति ठीक करें, हमें रोजगार दे, शिक्षा दें, वैसी सरकार को ही हम वोट करेंगें। और हमें उम्मीद है कि ये लड़ाई हम जीतेगें।

मौलाना इम्तियाज – आप लोगों का शुक्रिया अदा करते हैं कि आप घर का काम छोड़कर अपने हक के लिए यहाँ आई हैं। सरकार तक आप की आवाज जरूर पहुँचेगी। रिपोर्ट सुनने के बाद मुझे लगता है कि लगातार काम करने की जरूरत है।

निवेदिता - पिछले जनसंवाद में भी हम आए थे हम को आश्चर्य हो रहा है कि अभी भी रिपोर्ट कार्ड में ज्यादा लाल ही है। ये जरूरी है कि हम अधिकारों के लिए लगातार लड़े तभी हम सबको अपना हक मिलेगा। मुझे खुशी है कि आपलोगों ने कई बार कोशिश की और उसमें सफलता भी मिली। महिलाओं को दोहरी मार झेलनी पड़ती है। फिर भी वो आज इतनी बड़ी संख्या में यहाँ आई हैं ये सुखद है। पूरे देश में महिलाओं के स्वास्थ्य की स्थिति काफी खराब है। वह एनीमिया की शिकार हैं। ऐसी स्थिति में ये जरूरी है कि सरकारी स्वास्थ संस्थान काफी मुस्तैदी से काम करें।

केस स्टडी 1 -

शबनम खातून, उम्र- 16 वर्ष, पति- मो0 इम्तियाज, जाति- शेख, पेशा- मजदूरी, शबनम खातून की शादी मो0 इम्तियाज के साथ 2008 में हुई थी उस वक्त शबनम खातून की उम्र 12 साल की थी। शादी के तीन साल बाद माँ बनी और बेटा हुआ। 8 माह के बाद इस बच्चे की मृत्यु हो गई। दुबारा माँ बनने से पहले दो बार गर्भपात हो गया था। ससुराल वाले भी गर्भावस्था में ही मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। गर्भ के 9 माह पूरा होने के बाद प्रसव के लिए अकेले 15.12.2013 को 8 बजे रात में पी.एच.सी. फुलवारी शरीफ गई थी। आधी रात को प्रसव के दौरान आधा बच्चा अंदर आधा बच्चा बाहर होने पर शबनम बेहोश होने लगी। ए.एन.एम. उस वक्त भी बिना पैसे के बच्चा पैदा कराने के लिए तैयार नहीं थी। तो ममता से शबनम ने स्वंय कहा कि मेरा प्रसव करा दीजिए तो 500/- रुपये दूंगी। प्रसव के बाद शबनम स्वंय घर वापस आई। इन्हें 1000/- रुपया जे.बी.एस.वाई का मिला था लेकिन वापस होने के लिए एम्बूलेंस की सुविधा नहीं मिली और 700 रुपया अस्पताल में खर्च हो गया।

केस स्टडी 2 -

शबाना खातून, पति- मो. खालिद (उम्र-20), मुहल्ला- मौलाबाग । दिनांक 22.02.2014 जुलेखा खातून अपनी बेटी शबाना खातून को पहला प्रसव कराने के लिए पी.एच.सी. फुलवारी शरीफ 8 बजे रात में पहुँची। पर्ची बनवाकर बेटी की जाँच करवाई थी लेकिन डाक्टर बोली 5 दिन के बाद बच्चा होगा। प्रसव पीड़ा बढ़ने पर रात 8 बजे पी.एच. सी पहुँची थी। ए.एन.एम. बिना चेकअप किए हुए बतायी कि बच्चा 5 दिन के बाद होगा और बोली तुम्हारे लिए हम रातभर जागते रहें! ए.एन.एम. हमको पी.एच.सी. से बाहर कर दी और ताला बंद करके चली गई। उस समय बारिश हो रही थी। रोड पर बैठकर कुछ समय बारिश में ही बिताये और फिर घर भींगते हुए वापस आगए लेकिन घर पर पहुँचते ही बेटी को उल्टी होने लगी। कपड़ा बदलकर बालमी ले गई जहाँ लगभग 12 बजे रात में प्रसव हुआ।

केस स्टडी 3 -

अकीला खातून, पति- मो. गुड्डू (उम्र-20), मुहल्ला- भुसौला नहर पर, पेशा- मजदूरी । अकीला खातून भुसौला पंचायत की निवासी है। इनका पहला बच्चा मर गया। दूसरे बच्चे के प्रसव के लिए 28.07.2013 को पी.एच. सी. फुलवारी शरीफ अपनी माँ के साथ गई थी । जहाँ 29.07.2013 को 8 बजे दिन में बच्चा पैदा हुआ। बच्चा होने के बाद ए.एन.एम. 400/- रुपया ली। फिर पानी चढ़ाने के लिए 300/- रुपया अलग से तथा बच्चा का टीकाकरण

के लिए 100/- रुपया ली। आशा साथ जाने के लिए 200/- रुपया तथा जन्म प्रमाण पत्र के लिए 200/- रुपया ली, उसके अलावा दवा-सुई में खर्च हुआ। कुल राशि - 2000/- रुपया खर्च हुआ। अकीला ने स्वंय कहा कि मेरी माँ से उन लोगों ने जबरदस्ती पैसा लिया।

केस स्टडी 4 -

रेशमा खातून, पति- मो. आजाद (उम्र-26), मुहल्ला- जानीपुर (नया टोला), जाति- अंसारी, पेशा- बिजनेस। रेशमा खातून आपनी माँ शमीमा खातून एवं भाभी कौसर के साथ पी.एच.सी. फुलवारी शरीफ दिनांक- 03.01.2014 को रात 10 बजे तीसरा बच्चे के प्रसव के लिए पहुँची। भरती करने के बाद कोई भी दवा नहीं दिया गया। प्रसव पीड़ा से छटपटाती रही लेकिन ए.एन.एम. नहीं आई। सुबह 7.15 में बच्चे का जन्म हुआ। प्रसव के बाद ए.एन.एम. ने 200/- रुपये की मांग की जिसकी जगह पर 100/- रुपया दिया गया। दाई ने 100/- रुपया लिया, पुरैन फेकने के लिए 100/- रुपया लिया। कुल 300/- रुपया खर्च हुआ। एम्बुलेंस की सुविधा नहीं मिली। प्रसव 3.1.2014 को हुआ। लेकिन जे.बी.एस.वाई की राशि 20.1.2014 को मिला। जन्म प्रमाण पत्र के लिए 200/- रुपया की मांग की गई थी। लेकिन चार्म के सदस्यों की सहायता से नि:शुल्क बना।

एम.ओ.आइ.सी - डॉ. बी.पी.सिंह ने कहा कि मैंने दिसम्बर में पदभार ग्रहण किया है। उसके बाद एक भी पैसा किसी स्टाफ के द्वारा नहीं लिया गया है। पी.एच.सी. की स्थिति ठीक है। हमारे सारे स्टाफ इमानदार हैं। इसपर उपस्थित महिलाएं काफी नाराज हो गई और उन्होंने बताया कि जनवरी-फरवरी 2014 में प्रसव में पैसा लगा है। दवा, ग्लब्स, पानी सब कुछ बाहर से मंगाया गया है। इस विषय पर कुछ देर तक काफी हंगामा चलता रहा। तब ज्यूरी सदस्य निवेदिता झा ने हस्तक्षेप किया।

ज्यूरी निवेदिता - ज्यूरी निवेदिता ने महिलाओं से कहा कि हमलोगों को आपलोगों पर विश्वास है आपने प्रमाण स्वरुप अस्पताल का पर्ची दिया है। हम एम.ओ.आइ.सी. से अनुरोध करते हैं कि वह अपने कर्मचारियों की निगरानी करें, और उनपर न्याय संगत कारवाई करें।

एम.ओ.आइ.सी - डॉ. बी.पी.सिंह ने कहा कि अगर किसी भी मरीज का इलाज सही तरीके से नहीं हो रहा है। या किसी भी कर्मचारी के द्वारा पैसा मांगा जा रहा है तो वे मेरे चैम्बर में आकर लिखित या मौखिक शिकायत कर सकते हैं।

महिलाओं ने इस आश्वासन का स्वागत किया। उसके बाद जकी अनवर ने चार्म के कार्यकाणी के सदस्य अरमान सुहैल को दो शब्द कहने के लिए बुलाया -

अरमान सुहैल ने चार्म की गतिविधियों के बारे में बातया और कहा कि जनसंवाद आज के समय में क्यों जरूरी है इस पर विस्तृत चर्चा की गई। अंत में प्रोजेक्ट काडिनेटर जकी अनवर ने सभी को धन्यवाद दिया और लोगों से आग्रह किया की वह नास्ता लेते हुए जाऐं।

जनसंवाद रिपोर्ट- मनेर

स्थान - हिमालया इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल
आयोजक - सेन्टर फॉर हेल्थ एण्ड रिर्सोस मैनेजमेंट (चार्म)
प्रायोजक - ऑक्सफेम इंडिया

मनेर में विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी जनसंवाद किया गया। इस जनसंवाद की तैयारी जनवरी के पहले सप्ताह में शुरू की गई। जन संवाद की तैयारी समुदाय के साथ मिलकर कई चरणों में किया गया।

चार्म मनेर के 6 पंचायत में काम करती है। हमने उन 6 पंचायतो से विभिन्न प्रकार के फॉरमेट को भरा था। वैसे लागों से जो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मनेर से सेवा लेते हैं। जनसंवाद के लिए 8 प्रकार के फॉरमेट को भरा गया था। इन फॉरमेटों को भरने में हमारी नारी सभा के सदस्य रीता देवी, महाली देवी, अनिता देवी तथा किशोरी मंण्डल की खुशबु, राधा, रिंकी, रीमा ने सहयोग किया। इन फॉरमेटों को भरवाने में प्रोजेक्ट कार्यकर्त्ता सुश्री रूपा कुमारी तथा श्री गोविंद कुमार ने सहयोग किया । फिल्ड ऑफिस में प्रेरणा कुमारी ब्लॉक कॉर्डिनेटर एवं श्री जकी अनवर प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर, के द्वारा सभी सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। जो 8 प्रकार के फॉरमेट भरा गया है वह निम्न हैं -

1. प्रत्येक पंचायत में महिलाओं के साथ समूह चर्चा कर फॉरमेट भरा गया।
2. प्रत्येक पंचायत में महिलाओं एवं पुरुषों के समूह के साथ समूह चर्चा कर फॉरमेट भरा गया।
3. प्रत्येक पंचायत के 2 आशा से साक्षात्कार कर फॉरमेट भरा गया।
4. 40 ऐसी महिलाओं से साक्षात्कार कर फॉरमेट भरा गया जिसका 0-6 माह का बच्चा हो
5. प्रत्येक पंचायत के उपस्वास्थ्य केन्द्र का अवलोकन कर उपलब्ध सामानों की सूची एवं स्थिति तथा ए.एन.एम. से साक्षात्कार कर फॉरमेट भरा गया।
6. 50 फॉरमेट उन लोगों से साक्षात्कार कर भरा गया जो पी.एच.सी से इलाज करवाकर निकल रहे थे।
7. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के द्वारा रोगी कल्याण समिति से संबन्धित जानकारियों का साक्षात्कार कर फॉरमेट भरा गया।
8. पी.एच.सी. का अवलोकन कर एवं साक्षात्कार द्वारा उपलब्ध उपकरणों की जानकारी कर फॉरमेट भरा गया।

मनेर के 6 पंचायत शेरपुर पश्चिमी, सिंघाड़ा, व्यापुर, दरवेशपुर उत्तरी, माधोपुर तथा किताचौहत्तर पश्चिम में फॉरमेट भरा गया।

प्रक्रिया - सर्वप्रथम इस जनसंवाद को आयोजित करने हेतू प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर श्री जकी अनवर ने सिविल सर्जन, पटना से कई बार सम्पर्क किया। सिविल सर्जन, पटना के द्वारा मनेर में जनसंवाद आयोजन हेतू 13 मार्च, 2014 की तारीख निर्धारित की। इसकी सूचना प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मनेर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को भी दे दी गई, फिर जनसंवाद के आयोजन स्थान के लिए 'हिमालय इंटरनेशनल स्कूल' के प्रबंध निदेशक से सम्पर्क कर स्कूल के मैदान का स्वीकृति ली गई। जनसंवाद में निर्णायक मंडल के नाम का चयन कर उनसे सम्पर्क कर स्वीकृति ली गई। इस जनसंवाद

का एजेंडा एवं निर्णायक सदस्य के नाम निम्न है–

एजेंडा

1. स्वागत
2. रिपोर्टकार्ड पर चर्चा, पंचायत स्तरीय फेसिलिटी, रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुतिकरण
3. केस स्टडी (टेस्टीमोनी)
4. खुला सत्र
5. धन्यवाद ज्ञापन

निर्णायक मंडल के सदस्यों का नाम–

1. श्री आशीष रंजन (जन जागरण शक्ति संगठन, अररिया) समाजिक कार्यकर्त्ता के अलावा ये शिक्षण क्षेत्र से भी जुड़े हुए हैं।
2. श्री हेमंत कुमार (पत्रकार)

इस जनसंवाद के लिए गाँधी मैदान मनेर के पास स्थित 'हिमालय इंटरनेशनल स्कूल' के मैदान का चयन किया गया। इस मैदान के लिए स्कूल के प्रबंध निर्देशक से सम्पर्क कर अनुमति प्राप्त की गई। जनसंवाद के आयोजन का एक पत्र मनेर थाना को दिया गया। इस जनसंवाद में आने के लिए 6 पंचायती राज सदस्यों को आमंत्रण पत्र दिया गया। पी.एच.सी. के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, स्वास्थ्य प्रबंधक, बाल विकास परियोजना के सी.डी.पी.ओ. एवं पी.एच.सी. के अन्य डॉक्टरों को भी आमंत्रण पत्र दिया गया। मीडिया से संबन्धित लोगों को भी निमंत्रण पत्र दिया गया।

सामुदायिक रिपोर्ट कार्ड समुदाय के लोगों के सहयोग से तैयार किया गया। रिपोर्ट कार्ड की स्थितियों को लाल, पीला और हरा रंग द्वारा दर्शाया गया था। लाल रंग का अर्थ है स्थिति अच्छी नहीं है। पीला का अर्थ है स्थिति को सुधारने की जरूरत है जबकि हरा का अर्थ है स्थिति अच्छी है।

इंडिकेटर

1. रोग निगरानी
2. बाह्य कार्यकर्त्ता उपचार योग्य सेवा
3. मुक्त राशि

(इन तीनों इंडिकेटर की जानकारी 'महिला पुरुष के साथ समूह चर्चा' के द्वारा निकाला गया।)

4. आशा का साक्षात्कार :- (आशा के साथ बातचीत के आधार पर निकाला गया।)
5. देखभाल की गुणवक्ता
6. आशा के प्रति महिला एवं समुदाय की धारणा
7. बच्चे का स्वास्थ्य

(इन तीनों इंडिकेटर की जानकारी 'महिलाओं के साथ समूह चर्चा' के द्वारा निकाला गया।)

8. मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी
9. जननी सुरक्षा योजना
10. प्रतिकूल परिणाम

(इन तीनों इंडिकेटर की जानकारी 0–6 माह के बच्चे की माँ के साथ साक्षात्कार के द्वारा निकाला गया।)

रिपोर्ट कार्ड में स्थितियों को लाल, पीला एवं हरे रंगों द्वारा दर्शाया गया है।

जनसंवाद में 6 पंचायत के लोग आए। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कॉर्डिनेटर प्ररेणा कुमारी एवं प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर जकी अनवर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नारी सभा की महिला रीता देवी एवं महाली देवी के स्वागत गान से किया गया। आए हुए निर्णायक मंडल तथा चिकित्सा पदाधिकारी के परिचय एवं स्वागत के साथ पंचायत रिपोर्ट को प्रेरणा कुमारी के द्वारा प्रस्तुत किया गया, जो इस प्रकार है –

लाल	0–49%
पीला	50–74%
हरा	75–100%

इसी आधार पर रिपोर्ट कार्ड में रंगों का निशान लगाया गया है।

पंचायत - शेरपुर पश्चिमी (दोस्तनगर)				
		लाल	पीला	हरा
1.	रोग निगरानी	लाल		
2.	बाह्य कार्यकर्त्ता	लाल		
3.	मुक्त राशि	लाल		
4.	मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी		पीला	
5.	जननी सुरक्षा योजना		पीला	
6.	प्रतिकूल परिणाम			हरा
7.	देखभाल की गुणवत्ता	लाल		
8.	आशा की भूमिका		पीला	
9.	बच्चों का स्वास्थ्य	लाल		
10.	आशा के प्रति समुदाय	लाल		

पंचायत - सिघाड़ा (पाण्डेपुर टिल्हारी)				
		लाल	पीला	हरा
1.	रोग निगरानी	लाल		
2.	बाह्य कार्यकर्त्ता	लाल		
3.	मुक्त राशि	लाल		
4.	मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी		पीला	
5.	जननी सुरक्षा योजना		पीला	
6.	प्रतिकूल परिणाम			हरा
7.	देखभाल की गुणवत्ता		पीला	
8.	आशा की भूमिका		पीला	
9.	बच्चों का स्वास्थ्य	लाल		
10.	आशा के प्रति समुदाय		पीला	

पंचायत - व्यापुर (टाटा कॉलनी)				
		लाल	पीला	हरा
1.	रोग निगरानी	लाल		
2.	बाह्य कार्यकर्त्ता	लाल		
3.	मुक्त राशि	लाल		
4.	मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी		पीला	
5.	जननी सुरक्षा योजना		पीला	
6.	प्रतिकूल परिणाम			हरा
7.	देखभाल की गुणवत्ता	लाल		
8.	आशा की भूमिका			हरा
9.	बच्चों का स्वास्थ्य	लाल		
10.	आशा के प्रति समुदाय	लाल		

पंचायत - दरवेशपुर उत्तरी (नीलकंठ टोला)				
		लाल	पीला	हरा
1.	रोगनिगरानी	लाल		
2.	बाह्य कार्यकर्त्ता	लाल		
3.	मुक्त राशि	लाल		
4.	मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी		पीला	
5.	जननी सुरक्षा योजना		पीला	

6.	प्रतिकूल परिणाम			हरा
7.	देखभाल की गुणवत्ता		पीला	
8.	आशा की भूमिका			हरा
9.	बच्चों का स्वास्थ्य	लाल		
10.	आशा के प्रति समुदाय	लाल		

पंचायत - माधोपुर (माधोपुर)				
		लाल	पीला	हरा
1.	रोग निगरानी	लाल		
2.	बाह्य कार्यकर्त्ता	लाल		
3.	मुक्त राशि	लाल		
4.	मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी		पीला	
5.	जननी सुरक्षा योजना		पीला	
6.	प्रतिकूल परिणाम			हरा
7.	देखभाल की गुणवत्ता		पीला	
8.	आशा की भूमिका		पीला	
9.	बच्चों का स्वास्थ्य	लाल		
10.	आशा के प्रति समुदाय		पीला	

पंचायत - किता चौहत्तर पश्चिम (हल्दी छपड़ा)				
		लाल	पीला	हरा
1.	रोग निगरानी	लाल		
2.	बाह्य कार्यकर्त्ता	लाल		
3.	मुक्त राशि	लाल		
4.	मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी	लाल		
5.	जननी सुरक्षा योजना		पीला	
6.	प्रतिकूल परिणाम	लाल		
7.	देखभाल की गुणवत्ता	लाल		
8.	आशा की भूमिका			हरा
9.	बच्चों का स्वास्थ्य	लाल		
10.	आशा के प्रति समुदाय		पीला	

स्वा० उप केन्द्रों का फेसलिटी कम्युलिटिव रिपोर्ट कार्ड
(मनेर)

सब सेन्टर की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता

चार्म मनेर के 6 पंचायत में काम करता है। इन 6 पंचायतों के अन्तर्गत 6 एच.एस.सी. आता है। सर्वे के दौरान हमारी टीम ने पाया कि 6 एच.एस.सी. में से सिर्फ 2 एच.एस.सी. माधोपुर एवं दरवेशपुर में अपने भवन में चलता है। दोस्तनगर, दुधैला, टिल्हारी, मौलानीपुर, एच.एस.सी. किराये के मकान में चलता है। दोस्तनगर एवं टिल्हारी एच.एस. सी. की हालत बहुत ही खराब है। यहाँ किसी भी प्रकार की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इन एच.एस.सी. में ए.एन.एम. नियुक्त है। सिर्फ 2 ए.एन.एम. पास के गाँव में रहती है। 4 ए.एन.एम. पटना में रहती है। 5 एच.एस.सी. में पानी की नियमित व्यवस्था नहीं है। माधोपुर में पानी की व्यवस्था है। एम.पी.डब्ल्यू. की नियुक्ति नहीं है। 4 एच.एस.सी. में बिजली की व्यवस्था नहीं है। 2 एच.एस.सी. में बिजली की व्यवस्था है। एच.एस.सी. में सफाई कर्मी / सहायक की व्यवस्था नहीं है। दुधैला एच.एस.सी. छोड़कर सभी एच.एस.सी. गाँव में स्थित है।

उपकरण की आपूर्तियां एवं उपलब्धता –

6 स्वा0 उप केन्द्र पर उपकरण की आपूर्ति एवं उपलब्धता की स्थिति एक समान है। फर्नीचर तथा अन्य आवश्यक सामान की सूची जो एच.एस.सी. पर उपलब्ध नहीं है–

1.	जाँच की मेज/आई.यू.सी.डी मेज फोम वाले गद्दे के साथ
2.	प्रसव टेबुल
3.	लकड़ी का स्क्रिन
4.	पंखा
5.	टयुबलाईट
6.	बेसिन स्टैन्ड
7.	बिना हाथ की कुर्सी
8.	चालू हालत में स्टोव
9.	ढक्कन के साथ सॉसपेन
10.	डिस्पोजल सामान को फेंकने के लिए ढक्कन लगी बाल्टी
11.	ऐप्रन
12.	ब्लीचिंग पाउडर
13.	रूई का बंडल
14.	घड़ी
15.	यूरीन टेस्ट किट

16.	लैम्प
17.	डिलेवरी किट
18.	रबर/प्लास्टिक सीट 2 मीटर
19.	डिस्पोजल सामान को फेंकने के लिए बाल्टी हाइपोक्लोराईड के साथ
20.	पानी स्टोर करने के लिए ड्रम नल के साथ
21.	प्रतिक्षा के लिए बेंच
22.	किरोसीन स्टोव
23.	कुड़े की बाल्टी ढक्कन के साथ
फर्नीचर तथा अन्य आवश्यक सामान की सूची जो एच.एस.सी. पर उपलब्ध है	
1.	टेबुल
2.	कुर्सी
3.	दवाओं का बक्सा
4.	टूल
5.	साबुन
6.	व्यस्क के लिए वजन मशीन
7.	मग
8.	बाल्टी
9.	रूई बंडल
10.	पानी का जग
11.	रजिस्टर / रिकार्ड
12.	शिशु के लिए वजन मशीन (10 किलो)
13.	तौलिया
14.	ड्रेसिंग
15.	कण्डोम
16.	कॉपर टी तथा अन्य सामान नहीं है
सेवा उपलब्धता	
17.	बच्चों के लिए नियमित टीकाकरण
18.	डायरिया के लिए ओर.आर.एस.
19.	परिवार नियोजन की गोलियाँ, कण्डोम तथा आई.यू.डी.
20.	कुपोषण की जानकारी ए.एन.एम द्वारा
21.	प्रशिक्षित ए.एन.एम.

आई.पी.एच.एस. मानक के आधार पर उपस्वास्थ्य केन्द्र पर आवश्यक औजार की सूची जो उपलब्ध है।	
1.	औजार ट्रे (ढक्कन के साथ) 310 ग, 195 ग, एम.एम.-1
2.	बड़ा टार्च
3.	टीका ले जाने वाला बक्सा
4.	आईस पैक बक्सा
5.	स्पंज को रखने वाला
6.	सीधी सिलने वाली सुई
7.	थोड़ी घुमी हुई सिलने वाली सुई
8.	किडनी ट्रे
9.	फोटो स्कोप
10.	ड्रेसिंग फोरसिप
11.	गर्भनाल काटने की कैंची
12.	स्टेथोस्कोप
13.	हब कटर
14.	टीकाकरण बक्सा
15.	माप वाली टेप
16.	बी.पी. मशीन
इनमें टिलहारी एवं दोस्तनगर एच.एस.सी की स्थिति और भी खराब है।	
आई.पी.एच.एस. मानक के आधार पर आवश्यक औजार की सूची जो उपलब्ध नहीं है।	
1.	बेसिन 528 एम.एल (स्टील 1)
2.	गहरा बेसिन (6 लीटर की क्षमता वाली)
3.	सर्जन स्कर्विंग ब्रश सफेद नायलौन ब्रीस्टल के साथ
4.	साधारण टॉर्च
5.	स्टील का ढक्कन के साथ ड्रेसिंग ड्रम 945 लीटर 1
6.	हीमोग्लोबीन मीटर 1
7.	टीशु फोरसिप 160 मी.मी 1
8.	स्ट्रलाइजर 1
9.	सीधी सर्जिकल कैची 140 मी.मी 1
10.	सीम्स यूट्रीन डीप्रेशर
11.	मेजरिंग जग (एक लीटर-1)

12.	फीगमोमेनामीटर एन्डामीटर 300 मी.मी 1
13.	केलिस हेमोस्टेट फोरसिप 140 मी.मी 1
14.	सीम्स यौनिक वीक्षक दो सीटो वाला यूटराईन साउण्ड ग्रेडियर-1
15.	यूटराइल साउण्ड ग्रेडियर
16.	वीटल फोरसेप
17.	सादी फोरसेप 10
18.	आट्री फोरसेप सीधी शटल का
19.	अम्बू थैली, बेबी मास्क के साथ 1
20.	ट्रैकिंग बैक
21.	आई.वी स्टैण्ड
22.	स्टेब्लाइजर बायलर
23.	ग्लब्स
24.	भुलसेलम युराईन / फोरसेप जुड़ा हुआ
25.	तलक्लवीस्ट एच.वी. स्केल
26.	बिना बिजली का ऑटोक्लेव

रोगी निगरानी बाह्य कार्यकर्त्ता स्वास्थ्य योग सेवा और मुक्त राशि इन तीनों इन्डीकेटर की जानकारी महिला एवं पुरुष के साथ समूह चर्चा द्वारा प्राप्त हुआ। इसमें 6 पंचायत की स्थिति एक समान है। तीन पंचायत में आशा एवं ए. एन.एम. सर्दी, खासी, बुखार एवं दस्त की दवा देती हैं। 6 पंचायत के समूह ने कहा कि मुक्त राशि 10000 रुपये की जानकारी इन्हें नहीं है। किसी भी गाँव में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति द्वारा जागरूकता अभियान नहीं चलाया गया। सिर्फ एक पंचायत दरवेशपुर उत्तरी में जागरूकता अभियान चलाया गया है। मातृत्व स्वास्थ्य गारंटी, जननी सुरक्षा योजना एवं प्रतिकूल परिणाम की जानकारी 6 पंचायत में वैसी महिलाओं से लिया गया जिनका 0-6 माह का बच्चा हो। 6 पंचायत में यह देखा गया कि मातृत्व स्वास्थ्य की स्थिति बहुत खराब है। जबकि जननी सुरक्षा की स्थिति अच्छी है। कुछ महिलाओं को घर पर प्रसव हुआ। पर उन्हें सरकार के द्वारा दी जाने वाली 500 रूपये की राशि का उन्हें पता नहीं है और उन्हें नहीं दिया जाता है। प्रतिकूल परिणाम की स्थिति अच्छी है।

स्वास्थ्य उपकेन्द्र की क्युमलिटीव रिपोर्ट प्रखण्ड का नाम - मनेर (पटना)				
क्र.सं.		लाल	पीला	हरा
1.	संरचना एवं कर्मियों की उपलब्धता	लाल		
2.	उपकरण एवं औजार की उपलब्धता	लाल		
3.	सेवा उपलब्धता		पीला	
4.	दवा की उपलब्धता		पीला	
5.	फर्नीचर एवं अन्य समान	लाल		

उपस्वास्थ्य केन्द्रों का जब हमलोगों ने अवलोकन किया तो पाया कि सभी 6 एच.एस.सी. में संरचना एवं कर्मियों की उपलब्धता की स्थिति खराब है। उपकरण एवं औजार बहुत कम मात्रा में है और उनका व्यवहार कम होता है। शौचालय की व्यवस्था तथा पानी की व्यवस्था भी नहीं है। सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में सेवा की उपलब्धता ठीक-ठाक है। इसलिए यह पीला में है। दवा भी ठीक-ठाक मात्रा में उपलब्ध है इसलिए यह पीला है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तरीय रिपोर्ट कार्ड				
पंचायत का नाम - व्यापुर, किताचौहत्तर पश्चिम, दरवेशपुर उत्तरी, माधोपुर, सिंघाड़ा, दोस्तनगर				
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का नाम - मनेर				
प्रखण्ड का नाम - मनेर				
जिला - पटना				
		लाल	पीला	हरा
1.	संरचना		पीला	
2.	कर्मियों की उपलब्धता		पीला	
3.	दवा की उपलब्धता			हरा
4.	सेवा की उपलब्धता		पीला	
5.	अनौपचारिक खर्च		पीला	
6.	देखभाल की उपलब्धता		पीला	
7.	रोगी कल्याण समिति के कार्यों का अवलोकन		पीला	
8.	उपकरण एवं फर्नीचर		पीला	

केस स्टडी-1 -

संतोष कुमार, ग्राम- हलदी छपरा, नयका टोला, पंचायत- किता चौहत्तर पश्चिमी, गाँव से पी.एच.सी. की दूरी- 4.5 कि.मी., इनकी शिकायत यह है कि इनके गाँव की आशा उषा देवी जन्म प्रमाण-पत्र बनाने के लिए 300 रूपये लिया

करती है। आशा इनसे बोली की जन्म प्रमाण–पत्र बनाने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पैसा देना पड़ता है। इस कारण हम पैसा लेते हैं।

एम.ओ.आई.सी. – अभी भी शिकायत मिलता है। 7 माह से मैं प्रभारी बना हूँ। मैं सुधारने की कोशिश कर रहा हूँ। सूचना लिखकर भी टाँगा गया है कि किसी को पैसा नहीं देना है। अगर कोई पैसा माँगता है तो तुरंत मुझे लिखित शिकायत दे मैं कारवाई करूँगा। अगर मुझे कोई सूचना नहीं देगा और आशा तथा ए.एन.एम. के कहने पर बाहर से दवा लाते है तो मैं इसके लिए जिम्मेवार नहीं हूँ। दो माह से जननी सूरक्षा योजना के चेक के साथ ही जन्म प्रमाण–पत्र मुफ्त दिया जाता है। अगर कोई गड़बड़ी की लिखित सूचना मुझे दे तो मैं उसे चयनमुक्त कर दूँगा।

आशीष – डा. साहब की बात सराहनीय है ये हिम्मत की बात है इतने लोगो के बीच बोल रहे हैं। आप आशा से स्पष्टीकरण माँगें।

केस स्टडी–2

सुमित्रा देवी (कृष्णा साव – पुत्र), बहु – रमिता देवी, ग्राम– नागा टोला, गोरैया स्थान, पंचायत– दरवेशपुर दक्षिणी, गाँव से पी.एच.सी. की दूरी – 7 कि.मी., सुमित्रा देवी की बहू रमिता देवी गर्भवती थी इन्हे ए.एन.सी. के लिए ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के दौरान आँगनवाड़ी केन्द्र पर ले गए जिसकी सेविका उर्मिला देवी है। मौलानीपुर एच. एस.सी. की ए.एन.एम. 'निभा पाण्डे' ने कहा कि इन्हें खून की कमी है और यहाँ जाँच की व्यवस्था नहीं है। इन्हें पी. एच.सी. में जाकर जाँच कराइए। फिर एक दिन आशा लालती देवी इनके घर आई और बोली चलिए पी.एच.सी में जाँच करा देते हैं। आशा पहले चली गई और पीछे से सुमित्रा देवी अपनी बहु को लेकर पी.एच.सी पहुँची। आशा ने पेशाब और खून जाँच कराया और 600 रुपया का डिमांड किया कि डॉक्टर साहब मांग रहे हैं। सुमित्रा ने 500 रुपया आशा को दे दिया। फिर रिपोर्ट लेने वक्त आशा ने पुनः 500 रूपये मांगा। उसके बाद जाँच रिपोर्ट मिला। कुल 1500 रूपया अस्पताल में खर्च करना पड़ा जिसमें बाहर की दवा सम्मिलित है।

एम.ओ.आइ.सी.– लगभग 2 महीने से सरकारी खून–पेशाब की जाँच बन्द है। 20.03.2014 को पी.एच.सी आकर बताएं के किन–किन लोगों से आशा ने पैसे की मांग की है। अगर ये बात सही साबित हुआ तो उनपर न्याय संगत कारवाई की जाएगी। जाँच की सुविधा अनुपलब्ध है इसकी सूचना जिला पदाधिकारी को दे दी गई है।

आशीष – आप (सुमित्रा देवी) होली के बाद अस्पताल जाकर उस व्यक्ति की पहचान करें, जिसने आपसे रुपये मांगे है।। मै उम्मीद करता हूँ कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी आवश्यक कारवाई करेंगे।

केस स्टडी–3

श्री भगवान राय, ग्राम– हल्दी छपड़ा, गाँव से पी.एच.सी की दूरी 3 कि.मी., श्री भगवान राय, अपने दामाद गिरीधारी राय की कमजोरी का इलाज के लिए पी.एच.सी. मनेर गए थे। पी.एच.सी. पहुँच ने के बाद रजिस्ट्रेशन कराकर डाक्टर साहब से मिले। डॉक्टर ने एक्स–रे, पेशाब जाँच, खून जाँच, थूक जाँच करवाने के लिए कहा। पी.

एच.सी. में जाँच किया गया। और जाँच कर्मी ने 310 रुपया की मांग की । उन्हे 310 रुपया दिया गया। और पर्ची पर लिखा दवा को बाहर से खरीद कर लाने में 1200 रुपया लगा।

एम.ओ.आइ.सी.- जिसने आपसे पैसा लिया है उसकी पहचान आप पी.एच.सी. आकर करें। उन पर आवश्यक कारवाई की जाएगी। दवा के सम्बंध में बताया कि सरकारी पर्ची पर बाहरी दवा नहीं लिखा जाना है। इसकी जाँच की जाएगी।

आशीष - काउण्टर पर जो दवा उपलब्ध कराता है वह दवा बाहर से लाने के लिए कहता है। दवा की उपलब्धता की जाँच कर लें। ताकि आवश्यक कारवाई में सहुलियत हो।

एम.ओ.आइ.सी - आपलोग अगर प्रसव की दवा भी बाहर से लाते हैं तो उसकी सूचना हमें आवश्य दें।

केस स्टडी-4

हरिनारायण साह, ग्राम - भवानी टोला, हरिनारायण साह अपनी पत्नी के साथ पी.एच.सी. मनेर गए। वहाँ रजिस्ट्रेशन के बाद डॉक्टर के पास चेकअप के लिए गए। बिना दवा लिखे एवं बिना जाँच किए हुए उन्होनें चिड़ियाटाल के नीचे जलान शॉप के बगल में डॉक्टर पंकज कुमार के क्लिनिक पर जाने के लिए कहा। अभी दवा नहीं मिलेगा, पहले चेकअप कराकर आइए तब दवा मिलेगा। हरिनारायण साह ने चिड़ियाटाल न जाकर मनेर में ही डॉक्टर के.के.सिंह के पास जाकर अपनी पत्नी का इलाज कराया। वहीं एक्स-रे भी हुआ और वह अब ठीक हैं।

एम.ओ.आइ.सी. - जो इलाज हमारे यहाँ नहीं हो पाता है। उसके लिए हम पी.एम.सी.एच. रेफर कर देते हैं। आप पी. एम.सी.एच. में जाकर दिखला सकते हैं।

आशीष - जनसंवाद एक तरीका है, जिसमें जन सुनवाई पर कारवाई होती है।

हेमंत कुमार - शिकायत करने की भी हिम्मत होनी चाहिए। तथा अपनी शिकायत का सेवा लेने की कोशिश करें।

एम.ओ.आइ.सी. - जो भी शिकायत हो उससे हमें अवगत करायें हम आपके साथ हैं।

केस स्टडी-5

रेहाना खातून, पति- कलामुद्दीन, ग्राम- हल्दी छपड़ा, इन्होंने अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन ज्यूरी के समक्ष में प्रस्तुत नहीं की जिसकी वजह से सुश्री प्रेरणा कुमारी ने उनकी शिकायत को ज्यूरी के समक्ष रखा। जिसमें कहा गया था के आशा के पति ने जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतू पैसा लिया, बिना पैसा के जन्म प्रमाण पत्र नहीं दिया जाता है। अभी तक अपने 2 बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र के लिए 250-250 रुपये ले चुके हैं।

एम.ओ.आइ.सी - इस आशा की शिकायत पूर्व में भी आ चुकी है जिसकी वजह से इसे हटाने के लिए उच्च पदाधिकारी को लिखा जा चुका है।

ज्यूरी आशीष - जनसंवाद एक प्रक्रिया है जिसमें सेवा प्रदाता और जनता के बीच संवाद स्थापित होता है। ताकि

सेवा प्रदाता सेवा की गुणवक्ता को अच्छा कर सके। हम सभी जनता को धन्यवाद देते है कि वह अपनी समस्याओं को सेवा प्रदाता के समक्ष रखने के लिए हिम्मत जुटाए, और बातचीत की।

ज्यूरी हेमंत कुमार – आप सभी जनता का मैं स्वागत करता हूँ कि आपने बड़ी बहादुरी से अपने अधिकार के लिए आवाज उठाई। और आपसे आग्रह करता हूँ कि इसी तरह अपने अधिकार के लिए आवाज उठाऐं।

अंत में प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर जकी अनवर ने सभी का धन्यवाद कहा और लोगों से आग्रह किया की वह नाश्ता लेते हुए जाऐं।

मनेर जनसंवाद Action Taken Report – जनसंवाद में जाँच सम्बंधी उठाए गए प्रश्न के आलोक में जिस व्यक्ति को दोषी पाया गया उस व्यक्ति पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा स्पष्टीकरण माँगा गया तथा स्पष्ट जवाब मिलने तक उस व्यक्ति का वेतन अवरूद्ध करते हुए भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो, संबंधी चेतावनी देते हुए संबंधित व्यकित को हिदायत दी गई।

पत्रांक 307/BPMU/ दिनांक 24/4/14

प्रेषक,

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी,
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मनेर, पटना।

प्रेषित,

परियोजना समन्वयक
सेन्टर फॉर हेल्थ एण्ड रिसोर्स मैनेजमेन्ट, मनेर पटना।

महाशय,

प्रखण्ड मनेर अर्न्तगत किए गये जन संवाद में जॉच संबंधि अनियमितता पर उठाए गये प्रश्न के आलोक में जिस व्यक्ति को दोषारोपित किया गया उस व्यक्ति पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा स्पष्टीकरण पृच्छा करते हुए स्पष्ट जबाब प्राप्त होने तक मानेदय अवरूध किया गया तथा भविष्य में इसकी पूर्णावृति न हो संबंधि चेतावनी देते हुए अनुशासन पूर्ण कार्य संपादन करने हेतु आदेशित किया गया।

सूचनार्थ प्रेषित।

24/4/14.
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी,
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मनेर, पटना।